500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. R$ 500

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

राजस्थान

श्री।।

वसीयत-नामा :-

मैं हनुमानसहाय पुत्र श्री छंवाराम उम्र करीब 85 वर्ष जाति खाती निवासी ग्राम गोविन्दगढ़ तहसील चौमूं जिला जयपुर राज्य राजस्थान का रहने वाला हूं।

जो कि मेरे ग्राम स्याऊ तहसील चौमूं जिला जयपुर में स्थित आराजी खसरा नम्बर-460/3 रकबा 2000 वर्गमीटर किस्म आबादी, खसरा नम्बर-460/2/3 रकबा 2000 वर्गमीटर किस्म संपरिवर्तित आबादी, खसरा नम्बर-460/2/4 रकबा 2000 वर्गमीटर किस्म संपरिवर्तित आबादी, कुल खसरा

हनुमानसहाय

//2//

किता-3 का कुल रकबा 6000 वर्गमीटर भूमि जो कि कृषि से अकृषि आबादी आवासीय प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन शुदा है जो मैने पांच अलग-अलग विक्रय पत्रो द्वारा खरीद की थी जिसका नामान्तरण भी मेरे नाम से राजस्व रेकार्ड मे खुल चुका है तथा इन्द्राज हो चुका है। अतः उपरोक्त वर्णित आबादी मे संपरिवर्तन शुदा कुल 6000 वर्गमीटर भूमि पर मेरा ही काबिज कब्जा व मालिकाना हक व अधिकार है। अन्य किसी का इसमे किसी भी प्रकार का कोई हक, अधिकार अथवा सम्बन्ध नही है। अतः मुझको उक्त वर्णित आबादी भूमि सम्पूर्ण को हर प्रकार से बेचान, बख्शीश, हस्तान्तरित आदि करने के समस्त हक व अधिकार प्राप्त है।

यह कि मै अपनी स्वेच्छा से अपनी उपरोक्त वर्णित आबादी संपरिवर्तन शुदा 6000 वर्गमीटर भूमि को ब्राह्मण सर्व शिक्षा समिति गोविन्दगढ़ (जयपुर) के हक मे बख्शीश करना चाहता हूँ।

अतः मै अपनी स्वेच्छा से उपरोक्त वर्णित आराजी खसरा नम्बर-460/3 रकबा 2000 वर्गमीटर, खसरा नम्बर-460/2/3 रकबा 2000 वर्गमीटर, खसरा नम्बर-460/2/4 रकबा 2000 वर्गमीटर, कुल खसरा किता-3 का कुल रकबा 6000 वर्गमीटर भूमि जो कि आबादी आवासीय प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन

हि. इन्द्रनारायण

चुका है को सम्पूर्ण स्वत्वो एवं मालिकाना हक हकूको एवं अधिकारो सहित बिना रखे इसमे किसी भी हित व अंश के उक्त प्राइटमुन गर्ल्स शिक्षा समिति गोविन्दगढ (जयपुर) जरिये निदेशक ओमप्रकाश धारीवाल पुत्र श्री भगवानसहाय धारीवाल जाति यादव निवासी ग्राम गोविन्दगढ तहसील चौमू जिला जयपुर के हित मे बतौर बख्शीश करता हूँ तथा उक्त बख्शीश की गई भूमि का वास्तविक कब्जा भी उक्त बख्शीश ग्रहिता को जाकर करा दिया है।

अब उक्त बख्शीश की गई आबादी भूमि पर मेरा व मेरे उत्तराधिकारियो का कोई हक, हिस्सा, अधिकार अथवा सम्बन्ध किसी भी प्रकार से नही होगा। यदि इस बख्शीशनामा के खिलाफ मेरा कोई उत्तराधिकारी या वारिस कोई आपत्ति या उज्रदारी उठायेगा तो उनका निष्फल मै स्वयं करूँगा।

आज तक उक्त बख्शीश की गई भूमि सभी प्रकार के झगडे टन्टो से सर्वथा मुक्त है और न ही किसी के रहन, बख्शीश, गिरवी अथवा विक्रय अनुबन्धित है। आज से पूर्व का कोई कर भार बकाया होगा या निकलेगा तो उसका चुकारा भी मै स्वयं करूँगा।

यह कि अब उक्त बख्शीश ग्रहिता उक्त बख्शीश की गई अचल सम्पत्ति से सभी प्रकार के फायदे उठावे, नियमानुसार उपयोग व उपभोग मे लेवे, निर्माण

ह- भगवानसहाय

करावे, फुलता तामीरात मंजिल दर मंजिल करावे, पानी व विद्युत का कनेक्शन लेवे, नामान्तकरण खुलवावे, हर प्रकार से मालिक व स्वामी हो चुका है।

यह कि उक्त बख्शीश की गई भूमि अपरिवर्तित आबादी आवासीय प्रयोजनार्थ है, जो रोड से हटकर अन्दर की ओर स्थित है। इसमें कोई खान या फुलता निर्माण नही है।

यह कि मेरी उक्त बख्शीश को उक्त प्राइवेट गर्ल्स शिक्षा समिति गोविन्दगढ़ [जयपुर] की ओर से इसके निदेशक ओमप्रकाश खाँसीवाल ने स्वीकार कर इस लेख पत्र मे अपने हस्ताक्षर कर दिये है। मैने उक्त बख्शीश बिना किसी प्रतिफल के किया है।

अतः यह बख्शीश-नामा मैने अपनी स्वेच्छा से बिना किसी नशे पते के पूर्ण होश हवाश व स्थिर बुद्धि की हालात मे निम्न गवाहान के समक्ष सोच, समझ व पढ़ सुनकर सही मानते हुये 500/-रुपये के स्टाम्प किता एक व पेपर किता तीन पर लेख करवा दिया जो सनद रहे व वक्त जरूरत समय पर काम आवे। इति•

ह0 बख्शीश कर्ता :-

मुझे उपरोक्त बख्शीश सहर्ष स्वीकार है।

(ह0 बख्शीश स्वीकार कर्ता)

ह0 गवाहान मय पता :-

1-

2-

उप पंजीयक चौमूं